



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 503] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 15, 1990/ कार्तिक 24, 1912
No. 503] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 15, 1990/KARTIKA 24, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1990

सं. 48/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै. टै.)

सा. का. नि. 911 (अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के
प्रनुसार, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन
उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना है)

साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष सं. 85.05 के अन्तर्गत आने वाली स्थायी चुम्बक होने के लिए आणयित वस्तुओं पर उत्पाद-शुल्क, 1 मार्च, 1986 को प्रारम्भ होने वाली और 15 नवम्बर, 1988 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन शीर्ष 85.05 के अधीन विनिर्दिष्ट दरों पर उद्ग्रहीत नहीं किया गया था ;

अतः अथ, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर, अस्थायी चुम्बक होने के लिए आणयित वस्तुओं पर उक्त अधिनियम के अधीन संदेय, यथास्मिति, समस्त उत्पाद-शुल्क का या उत्पाद शुल्क के उतने भाग का जितना समय-समय पर संशोधित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना संख्यांक 160/86-के. उ. शु., तारीख 1 मार्च, 1986 के अधीन स्थायी चुम्बक पर संदेय शुल्क से अधिक है, स्थायी चुम्बक होने के लिए आणयित ऐसी वस्तुओं की बाबत संदेय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद-शुल्क, उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था ।

[फा. सं. 148/2/88-के. उ. शु. 4]

ए. एन. शर्मा, अवसर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th November, 1990

No. 48/90-Central Excises (NT)

G.S.R. 911(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on articles intended to become permanent magnets, falling under heading no. 85.05 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied at the rates specified under heading 85.05 during the period commencing on the 1st day of March, 1986 and ending with the 15th day of November, 1988, under section 3 of the first mentioned Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise or as the case may be, the portion of the duty of excise as is in excess of the duty payable on permanent magnets under notification of the

Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 160/86-CE dated the 1st March, 1986, as amended from time to time, payable under the said Act, on articles intended to become permanent magnets, but for the said practice shall not be required to be paid in respect of such articles intended to become permanent magnets on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 148/2/88-CX. 4]

A. N. SHARMA, Under Secy.

